प्रेस विज्ञप्ति

भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के 61 वें दीक्षांत समारोह (20-24 फरवरी, 2023) के दूसरे दिन विभिन्न विषयों के प्राध्यापकों के द्वारा स्नातकोत्तर छात्रों की महत्वपूर्ण शोध उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इसमें स्कूलों के विभिन्न विषयों के प्राध्यापकों द्वारा 17 प्रस्तुतियां दी गई।

पहले सत्र की अध्यक्षता डॉ. मालविका ददलानी, पूर्व संयुक्त निदेशक अनुसंधान, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली ने की। इस सत्र में फसल सुधार स्कूल के अंतर्गत आनुवंशिकी, पादप प्रजनन संसाधन और बीज विज्ञान प्रौद्योगिकी पर विषयवार प्रस्तुतियां शामिल थीं। अजैविक और जैविक तनाव सहिष्णुता, गुणवत्ता में सुधार और अन्य आर्थिक लक्षणों के व्यापक विषयों के तहत आनुवंशिकी संभाग में महत्वपूर्ण अकादमिक शोध की उपलब्धियां पर प्रोफेसर डॉ अंजू एम सिंह द्वारा प्रस्तुति दी गईं। पादप प्रजनन संसाधन की प्राध्यापक वीणा गुप्ता ने पीजीआर क्रायो-संरक्षण प्रोटोकॉल विकास और पीजीआर के भू-संदर्भ में जीनोम वाइड एसोसिएशन स्टडीज के विषयों के तहत शोध निष्कर्षों पर प्रकाश डाला। बीज विज्ञान प्रौद्योगिकी की प्राध्यापक मोनिका ए जोशी ने बीज उत्पादन तकनीक, बीज गुणवत्ता संवर्धन और बीज रोग विज्ञान विषय के तहत अनुसंधान उपलब्धियों को प्रस्तुत किया।

दूसरा सत्र में फसल संरक्षण स्कूल की प्रस्तुतियां डॉ अप्पा राव पोडिले, वरिष्ठ प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद की अध्यक्षता में आयोजित की गई। प्रस्तुतियां कृषि रसायन, कीट विज्ञान, सूत्रकृमि और पादप रोग विज्ञान विषयों से संबंधित थीं। प्रो. नीरा सिंह ने कृषि रसायन के विकास और प्रतिपादन, संदूषकों के आकलन और प्रबंधन के विषयों के तहत उपलब्धियों पर चर्चा की। प्रो देबजानी डे ने कीट प्रणाली विज्ञान, समन्वित कीट प्रबंधन, पेस्ट -नेचुरल एनीमी इंटरेक्शन, कीट कार्यिकी अध्ययन के व्यापक विषयों के तहत 17 छात्रों की प्रमुख शोध उपलब्धियों को प्रस्तुत किया। प्रो पंकज ने सूत्रकृमि विविधता और जैववर्गीकरण, प्लांट-निमेटोड इंटरैक्शन और सूत्रकृमि प्रबंधन जैसे विभिन्न व्यापक क्षेत्रों के तहत शोध निष्कर्षों पर प्रकाश डाला। पादप रोग विज्ञान संभाग से प्रो रॉबिन गोगोई ने रोग निदान और रोगज़नक़ लक्षण वर्णन, होस्ट पादप प्रतिरोध और रोग प्रबंधन पर किए गए शोध कात्रों का विस्तृत विवरण दिया।

तीसरे सत्र में प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन स्कूल की शोध प्रस्तुतियां को डॉ ए के सिक्का, पूर्व उप महानिदेशक (एनआरएम), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली की अध्यक्षता में संपन्न हुईं। प्रो डी के सिंह, प्रो पी कृष्णन, प्रो टी के दास, प्रो डी के शर्मा, प्रो राजीव कौशिक, प्रो नयन अहमद और प्रो मान सिंह ने क्रमशः कृषि अभियांत्रिकी, कृषिभौतिकी, सस्य विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, सूक्ष्मजीवी, मृदा विज्ञान और कृषि रसायन, और जल विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अपने

संबंधित विषयों पर अनुसंधान उपलब्धियों को प्रस्तुत किया। प्रस्तुतियों में संसाधन संरक्षण प्रौद्योगिकियों, प्रीसीजन कृषि उपकरण, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन के व्यापक क्षेत्रों पर काम पर प्रकाश डाला गया; फसल कीट की पूर्व चेतावनी, मृदा भौतिकी और फसल सिमुलेशन मॉडलिंग; पोषक तत्व एवं सिंचाई प्रबंधन, फसल विविधीकरण, खरपतवार प्रबंधन; पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं, अपशिष्ट प्रबंधन; कृषि में अजैविक तनाव का सूक्ष्मजैविक प्रबंधन, फसल वृद्धि संवर्धन के लिए पादप-सूक्ष्म जीवसहभागिता; मृदा जविक कार्बन गतिकी और उसका स्थिरीकरण, मृदा गुणवत्ता का आकलन, जल संरक्षण और फसल उत्पादकता।

डॉ अखिलेश के त्यागी, वरिष्ठ प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), पादप आणविक जीव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय (साउथ कैंपस), नई दिल्ली ने आधारभूत विज्ञान पर चौथे सत्र की अध्यक्षता की। जैवरसायन संभाग के प्रोफेसर (डॉ. अनिल दहुजा), पादप आणविक जीवविज्ञान संभाग बायोलॉजी और जैवप्रौद्योगिकी (डॉ. देबाशीष पटनायक), पादप कार्यिकी (डॉ. रेणु पांडे) ने पादप आधारित खाद्य पदार्थो की पोषण /न्यूट्रास्यूटिकल विशेषताओं के लक्षण वर्णन और सुधार, पादप पोषण और हाई -थ्रूपुट फेनोटाइपिंग विषयों के तहत अनुसंधान उपलब्धियों को प्रस्तुत किया। विभिन्न सत्रों के अध्यक्षों ने भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के विभिन्न विषयों में किए जा रहे स्नातकोत्तर अनुसंधान की गुणवत्ता की सराहना की, और अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2023 को ध्यान में रखते हुए मिलेट पर अनुसंधान गतिविधियों को प्राथमिकता देने के लिए संकायों को प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ मोनिका जोशी, प्रोफेसर, बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं समन्वयक ने औपचारिक धन्यवाद प्रस्तुत किया।

सौजन्य
भा.कृ.अनु.सं. मीडिया सेल

Press Release

Professors' Presentations during 61st Convocation of ICAR-IARI, New Delhi

21.02.2023

During the second day of the 61st Convocation week (February 20-24, 2023) of ICAR–Indian Agricultural Research Institute, New Delhi, the presentations were made by professors of various disciplines, highlighting the significant achievements of the post-graduate and the doctoral students, who will be conferred degrees in this convocation. There were a total 17 presentations from different disciplines.

The first session was chaired by Dr. Malavika Dadlani, Former Joint Director Research, IARI, New Delhi. The School of Crop improvement included discipline wise presentations of Genetics, Plant Genetic Resources (PGR) and Seed Science and Technology (SST) divisions. Significant academic research achievements in Genetics were presented by the professor Dr. Anju M Singh, under the broad themes of abiotic and biotic stress tolerance; improvement in quality and other economic traits. Professor Veena Gupta of PGR highlighted the research findings under the themes of Genome wide association studies in PGR, Cryo-conservation protocols development and Geo-referencing of PGR. Professor Monika A Joshi presented the research achievements under the themes- Seed production technology, Seed Quality Enhancement and Seed Pathology.

The second session of Crop protection was conducted under the chairmanship of Dr. Appa Rao Podile, Senior Professor, Dept of Plant Sciences, the University of Hyderabad, Hyderabad. The presentations were from the disciplines of Agricultural Chemicals, Entomology, Nematology and Plant pathology. Prof. Neera Singh discussed the achievements under the themes of Development of agrochemicals and formulations, and Assessment and management of contaminants. Prof. Debjani Dey presented the highlights of major research achievements of 17 students under themes viz, Insect systematics, Insect Pest management, Pest-Natural enemy interactions, Physiological studies. Prof. Pankaj highlighted the research findings under various broad areas like Nematode diversity and biosystematics, Plant-nematode interaction and Nematode management. In the discipline of Pathology, Prof. Robin Gogoi elaborated the works on Disease diagnosis and pathogen characterization, Host Plant Resistance and Disease Management.

The third session of Natural Resource Management was chaired by Dr. A K Sikka, Former DDG (NRM), ICAR, New Delhi. Prof. D K Singh, Prof. P Krishnan, Prof. T K Das, Prof. D K Sharma, Prof. Rajeev Kaushik, Prof. Nayan Ahmad, and Prof. Man Singh presented the research achievements for their respective disciplines of Agricultural Engineering, Agricultural Physics, Agronomy, Environmental Sciences, Microbiology, Soil Science and Agricultural Chemistry, and Water Science and Technology. The presentations highlighted works on the broad areas of Resource conservation technologies, Precision farm equipment, Climate Change Impacts and Integrated Water Resources Management; Crop pest forewarning, Soil physics and crop simulation modelling; Nutrient and Irrigation management, Crop diversification, Weed management; Ecosystem services, Waste management; Microbial management of abiotic stress in agriculture, Plant-microbe interaction for crop growth promotion; Soil organic

carbon dynamics and its stabilization, Assessment of soil quality, water conservation and crop productivity.

Dr. Akhilesh K Tyagi, Senior Professor (Retd.), Dept of Plant Molecular Biology, University of Delhi (South Campus), New Delhi chaired the session on Basic Sciences. Professors of Biochemistry (Dr. Anil Dahuja), Molecular biology and Biotechnology (Dr. Debasis Pattanayak), Plant Physiology (Dr. Renu Pandey) presented the research achievements under various themes like Characterization and improvement of nutritional/ nutraceutical characteristics of plant-based foods, Plant nutrition and High-throughput phenotyping. The Chairmans of the various sessions complimented the quality of post-graduate research being undertaken in different disciplines of IARI, and exhorted the faculty to prioritise the research activities on millets, considering the International Year of Millets 2023. The formal vote of thanks was proposed by the convenor Dr. Monika Joshi, Professor, Seed Science and Technology.

Courtesy

IARI- Media Cell, New Delhi